মাননীয় প্রধানমন্ত্রীর চিঠি

আমার প্রিয় পশ্চিমবঙ্গবাসী,

জয় মা কালী।

আর মাত্র কয়েক মাস, তারপরেই নির্ধারিত হবে পশ্চিমবঙ্গের ভাগ্য। আগামী প্রজন্মের ভবিষ্যৎ কোন পথে চালিত হবে, তার গুরুদায়িত্ব নির্ভর করছে আপনার একটি সুচিন্তিত সিদ্ধান্তের উপর। আমার স্বপ্নের সোনার বাংলার আবালবৃদ্ধবনিতা আজ চরম বঞ্চনার শিকার। তাঁদের যন্ত্রণায় আমার হৃদয়ও আজ ভারাক্রান্ত। তাই অন্তরের অন্তঃস্থল থেকে আমি একটিই সংকল্প গ্রহণ করেছি, পশ্চিমবঙ্গকে 'বিকশিত' ও সমৃদ্ধ করে তোলার সংকল্প।

গত ১১ বছরে দেশবাসীর আশীর্বাদকে পাথেয় করে, জনকল্যাণ এবং সর্বাত্মক উত্তরণকেই অগ্রাধিকার দিয়েছে আমার সরকার। কৃষক ভাইদের কল্যাণ থেকে শুরু করে যুবসমাজের স্বপ্নপূরণ, কিংবা মাতৃশক্তির ক্ষমতায়ন, সর্বস্তরে আমাদের গৃহীত নীতি ও নিরলস প্রয়াসের সুফল আজ দৃশ্যমান।

রাজ্য সরকারের চরম অসহযোগিতা ও বৈরিতা সত্ত্বেও, আজ পশ্চিমবঙ্গের ৫ কোটি মানুষ কেন্দ্রীয় 'জন-ধন যোজনা'র মাধ্যমে ব্যাঙ্কিং পরিষেবার আওতাভুক্ত হয়েছেন। 'স্বচ্ছ ভারত অভিযানে'র মাধ্যমে রাজ্যে ৮৫ লক্ষ শৌচালয় নির্মাণ সম্ভব করেছি আমরা। রাজ্যের শাসকদল যখন দরিদ্র মানুষের অন্নসংস্থান কেড়ে নিচ্ছে, তখন আমরা ছোট ব্যবসায়ী ও উদ্যোক্তাদের ২.৮২ লক্ষ কোটি টাকার ঋণ দিয়ে সাহায্যের হাত বাড়িয়ে দিয়েছি। 'অটল পেনশন যোজনা'য় ৫৬ লক্ষ প্রবীণ নাগরিককে বার্ধক্যেও স্বনির্ভর করতে পেরে আমি আজ কৃতার্থ। 'উজ্জ্বলা যোজনা'র মাধ্যমে ১ কোটির বেশি পরিবারে রান্নার গ্যাস সংযোগ পৌঁছে দিয়ে মা-বোনেদের ধোঁয়ার জ্বালা থেকে মুক্তি দিতে পেরে আমি ধন্য। যে অন্নদাতারা সারা দেশের ক্ষুধা নিবারণ করেন, আজ পশ্চিমবঙ্গে তাঁদের নিজেদেরই অন্নের সংস্থান করতে নাভিশ্বাস উঠছে। এমতাবস্থায়, 'কৃষক সম্মান নিধি' প্রকল্পে সরাসরি আর্থিক সহায়তার মাধ্যমে ৫২ লক্ষের বেশি কৃষক ভাইয়ের মুখে হাসি ফোটাতে পেরে আমি নিজেকে সৌভাগ্যবান মনে করি।

স্বাধীনতা-পরবর্তী সময়ে এই পশ্চিমবঙ্গই ছিল দেশের অর্থনীতির দিশারী, শিল্পায়নের অগ্রদূত। অথচ, আজ পশ্চিমবঙ্গের এই রুগ্ণ ও জরাজীর্ণ দশা দেখে আমার হৃদয় ব্যথিত হয়। গত ছয় দশকের অপশাসন ও তোষণমূলক রাজনীতির কারণে পশ্চিমবঙ্গের যে অপূরণীয় ক্ষতি হয়েছে, তা বর্ণনাতীত। একদিকে কর্মসংস্থানের অভাবে যুবসমাজ ভিনরাজ্যে পাড়ি দিতে বাধ্য হচ্ছে, অন্যদিকে নিরাপত্তার অভাবে আমার পশ্চিমবঙ্গের মা-বোনেরা আজ শঙ্কিত ও ত্রস্ত।

স্বামী বিবেকানন্দ ও ঋষি অরবিন্দের মতো যুগপুরুষরা যে পশ্চিমবঙ্গের স্বপ্ন দেখেছিলেন, তা আজ ভোটব্যাঙ্কের সংকীর্ণ রাজনীতি, হিংসা ও নৈরাজ্যে জর্জরিত। যা আমার এবং সমগ্র পশ্চিমবঙ্গবাসীর কাছে অত্যন্ত পীড়াদায়ক। পশ্চিমবঙ্গের ভূমিপুত্র দেশনায়ক নেতাজি সুভাষচন্দ্র বসুর 'স্বাধীনতার ডাক' একদা গোটা দেশকে উদ্বুদ্ধ করেছিল, আজ সেই পুণ্যভূমিই অবৈধ অনুপ্রবেশ ও নারী নির্যাতনে কলঙ্কিত। কবিগুরু রবীন্দ্রনাথ ঠাকুরের সোনার বাংলায় আজ ভুয়ো ভোটারের দাপট। নৈরাজ্যের অন্ধকারে ডুবতে থাকা পশ্চিমবঙ্গকে নিয়ে আজ সমগ্র ভারত চিন্তিত।

কিন্তু আর কতদিন আমরা মুখ বুজে সহ্য করব? এবার পরিবর্তন অপরিহার্য। আজ দেশের বিভিন্ন রাজ্যে জীবনযাত্রার মান উন্নত হয়েছে, দরিদ্রের মুখে হাসি ফুটেছে। 'আয়ুষ্মান ভারত' প্রকল্পে মিলেছে স্বাস্থ্যসুরক্ষা, যুবদের নতুন কর্মসংস্থান হয়েছে নিশ্চিত এবং নারীর নিরাপত্তা হয়েছে সুনিশ্চিত। পশ্চিমবঙ্গেও এই প্রগতি ও বিকাশ আজ একান্ত কাম্য।

প্রিয় পশ্চিমবঙ্গবাসীর কাছে আমার বিনীত আবেদন, আপনারাও এই উন্নয়নযজ্ঞে শামিল হোন। আপনাদের সেবা করার একটি সুযোগের জন্য আমি অধীর আগ্রহে অপেক্ষা করছি। এমন একটি সুযোগ, যেখানে কবিগুরুর ভাষায় "চিত্ত যেথা ভয়শূন্য, উচ্চ যেথা শির", সেখানে দুর্নীতি ও অপশাসন থেকে মিলবে মুক্তি। মা-বোনেদের নিরাপত্তা হবে সুনিশ্চিত। ঘরের ছেলে-মেয়েদের আর কাজের সন্ধানে ভিনরাজ্যে পাড়ি দিতে হবে না। বাংলার সংস্কৃতি ফিরে পাবে তার হৃত গৌরব। ধর্মীয় হিংসার শিকার আমাদের শরণার্থী ভাই-বোনেরা 'সিএএ' (CAA)-এর মাধ্যমে নাগরিকত্ব পাবেন এবং অবৈধ অনুপ্রবেশমুক্ত এক সুশাসন প্রতিষ্ঠিত হবে আমার পশ্চিমবঙ্গে।

ভারতমাতার বীর সন্তান ডঃ শ্যামাপ্রসাদ মুখোপাধ্যায়ের আপ্রাণ চেষ্টাতেই পশ্চিমবঙ্গ আজ ভারতের অবিচ্ছেদ্য অংশ। তাঁর স্বপ্নের পশ্চিমবঙ্গকে পুনরুজ্জীবিত করতে আসুন, আমরা কাঁধে কাঁধ মিলিয়ে ২০২৬-এই 'বিকশিত পশ্চিমবঙ্গ' গড়ার দৃপ্ত শপথ গ্রহণ করি।

আপনাদের,

নরেন্দ্র মোদী

এবার বিজেপি সরকার

माननीय प्रधानमंत्री का पत्र

मेरे प्यारे पश्चिम बंगाल वासियों,

जय माँ काली।

अब बस कुछ ही महीने में पश्चिम बंगाल का भाग्य सुनिश्चित हो जायेगा। आने वाली पीढ़ी का भविष्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह आपके सोचे-समझे फैसले पर निर्भर करता है। मेरे सोनार बंगाल के सपने देखने वाला हर एक जवान, बूढ़ा और महिला आज बहुत पीड़ा में हैं। उनके पीड़ा से आज मेरा हृदय भी व्यथित है। इसलिए, मैंने मन की गहराइयों से एक संकल्प लिया है, पश्चिम बंगाल को 'विकसित' और समृद्ध बनाने का संकल्प।

पिछले 11 वर्षों में देशवासियों के आशीर्वाद को ताकत बनाकर मेरी सरकार ने जनकल्याण और समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। किसानों के कल्याण से लेकर युवाओं के सपनों को साकार करने तक, और मातृशक्ति के सशक्तिकरण से लेकर समाज के हर वर्ग तक, हमारी नीतियों और निरंतर प्रयासों के सकारात्मक परिणाम आज साफ दिखाई दे रहे हैं।

राज्य सरकार के असहयोग और विरोध के बावजूद, आज पश्चिम बंगाल के करीब 5 करोड़ लोग 'जन-धन योजना' के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े हैं। 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत राज्य में 85 लाख शौचालयों का निर्माण किया गया है। जब राज्य की सत्ताधारी पार्टी गरीबों का निवाला छीन रही है, तब हमने छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को 2.82 लाख करोड़ रुपये का लोन देकर मदद का हाथ बढ़ाया है। 'अटल पेंशन योजना' के तहत 56 लाख वरिष्ठ नागरिकों को बुढ़ापे में आत्मनिर्भर बनाने का सौभाग्य मुझे मिला है। 'उज्ज्वला योजना' के माध्यम से 1 करोड़ से अधिक परिवारों को रसोई गैस देकर माताओं-बहनों को धुएँ से मुक्ति दिलाकर मैं धन्य हु। जो किसान पूरे देश का पेट भरते हैं, आज पश्चिम बंगाल में वही अन्नदाता अपने परिवार का पेट पालने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे कठिन परिस्थिति में 'किसान सम्मान निधि' के ज़रिए 52 लाख से अधिक किसानों को सीधे आर्थिक सहायता देकर उनके चेहरे पर मुस्कान लाकर, मैं खुदको भाग्यशाली मानता हूँ।

स्वतंत्रता के बाद पश्चिम बंगाल देश की अर्थव्यवस्था की दिशा तय करता था और औद्योगिक विकास में अग्रणी था। लेकिन आज इस गौरवशाली राज्य की जर्जर हालत देखकर मेरा मन व्यथित हो उठता है। पिछले छह दशकों के कुशासन और तुष्टिकरण की राजनीति के कारण पश्चिम बंगाल को जो अपूरणीय क्षति हुई है, उसे बयान नहीं किया जा सकता। एक तरफ, रोजगार के अभाव में युवा दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं, तो दूसरी तरफ, पश्चिम बंगाल में मेरी माताएं और बहनें आज सुरक्षित महसूस नहीं करती हैं।

स्वामी विवेकानंद और ऋषि अरविंद ने जिस बंगाल का सपना देखा था, वह आज वोट-बैंक की संकीर्ण राजनीति, हिंसा और अराजकता में जकड़ा हुआ है और यह हम सबके लिए अत्यंत पीड़ादायक है। पश्चिम बंगाल की धरती के सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'आजादी के ललकार' ने कभी पूरे देश को प्रेरित किया था, आज उनकी ही पवित्र भूमि अवैध घुसपैठ और महिलाओं के खिलाफ हिंसा से कलंकित है। कविगुरु रवींद्रनाथ ठाकुर का सोनार बंगाल पर नकली वोटर हावी हो रहे हैं। अराजकता के अंधेरे में डूबते पश्चिम बंगाल को देखकर आज पूरा देश चिंतित है।

लेकिन कब तक हम चुपचाप यह सब सहते रहेंगे? अब परिवर्तन अनिवार्य है। देश के कई राज्यों में आज जीवन स्तर बेहतर हुआ है, गरीबों के चेहरे पर मुस्कान आई है। 'आयुष्मान भारत' से स्वास्थ्य सुरक्षा मिली है, युवाओं को रोज़गार मिला है और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। पश्चिम बंगाल भी इस विकास और प्रगति का पूरा हक़दार है।

मेरे प्रिय पश्चिम बंगाल वासियों, आप सभी से मेरी विनम्र अनुरोध है की आप भी इस विकास यात्रा में शामिल हो। आपकी सेवा का अवसर मिलने की मैं बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहा हूँ; एक ऐसा अवसर, जहाँ मन भयमुक्त होगा और मस्तक ऊँचा होगा, जहाँ भ्रष्टाचार और कुशासन से मुक्ति मिले। माताओं-बहनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। हमारे बच्चों को रोज़गार की तलाश में दूसरे राज्यों में न जाना पड़े। बंगाल की संस्कृति अपना खोया हुआ गौरव वापस पाए। धार्मिक हिंसा के शिकार हमारे शरणार्थी भाई-बहनों को CAA के माध्यम से नागरिकता मिले और मेरा पश्चिम बंगाल अवैध घुसपैठ से मुक्त होकर सुशासन की राह पर आगे बढ़े।

भारत माता के वीर सपूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की अथक प्रयासों से ही आज पश्चिम बंगाल भारत का एक अभिन्न अंग है। आइए, उनके सपनों के पश्चिम बंगाल को फिर से ज़िंदा करें और कंधे से कंधा मिलाकर 2026 में 'विकसित पश्चिम बंगाल' बनाने की शपथ लें।

आपका,

नरेंद्र मोदी

एबार बीजेपी सरकार